

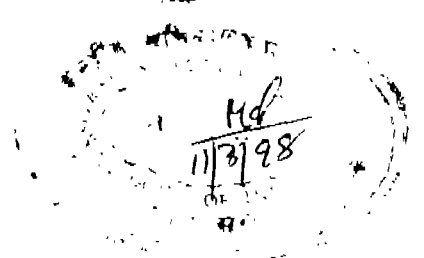


# भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण  
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (i)  
PART II—Section 3—Sub-section (i)

प्रधिकार से प्रकाशित  
PUBLISHED BY AUTHORITY



सं० 30 ]  
No. 30 ]

नई दिल्ली, बुधवार, जनवरी 29, 1998/माघ 9, 1919  
NEW DELHI, THURSDAY, JANUARY 29, 1998/MAGHA 9, 1919

कार्मिक, लोक-शिकायत तथा पेंशन मंत्रालय  
( कार्मिक और प्रशिक्षण-विभाग )  
अधिसूचना

नई दिल्ली, 29 जनवरी, 1998

सा. का. नि. 61(अ).—केन्द्रीय सरकार, प्रशासनिक अधिकरण अधिनियम, 1985 (1985 का 13) की धारा 35 की उप-धारा (2) के खण्ड (ग) और धारा 36क द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय प्रशासनिक अधिकरण (अध्यक्ष, उपाध्यक्ष तथा सदस्यों के वेतन और भत्ते तथा सेवा की शर्तें) नियम, 1985 का और संशोधन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाती है, अर्थात् :—

1. इन नियमों का संक्षिप्त नाम केन्द्रीय प्रशासनिक अधिकरण (अध्यक्ष, उपाध्यक्ष और सदस्यों के वेतन और भत्ते तथा सेवा की शर्तें) संशोधन नियम, 1998 है।

2. केन्द्रीय प्रशासनिक अधिकरण (अध्यक्ष, उपाध्यक्ष और सदस्यों के वेतन और भत्ते तथा सेवा की शर्तें) नियम, 1985 (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त नियम कहा गया है) के नियम 3 के स्थान पर, निम्नलिखित नियम, 01 जनवरी, 1996 को प्रतिस्थापित किया गया समझा जाएगा, अर्थात् :—

“3. वेतन—अध्यक्ष तीस हजार रुपये प्रतिमाह के वेतन के हकदार होंगे, उपाध्यक्ष छब्बीस हजार रुपये प्रतिमाह के वेतन के हकदार होंगे तथा सदस्य 22400-600-26000 रुपये के वेतनमान में वेतन के हकदार होंगे :

परन्तु किसी ऐसे व्यक्ति की अध्यक्ष, उपाध्यक्ष या सदस्य के रूप में नियुक्ति की स्थिति में, जो किसी उच्च न्यायालय के न्यायाधीश के रूप में सेवानिवृत्त हुआ हो या जो केन्द्रीय सरकार या किसी राज्य-सरकार के अधीन सेवा से सेवानिवृत्त हुआ हो या जो पेंशन या उपदान या अभिदायी भविष्य निधि में नियोजक के अभिदाय के रूप में कोई सेवानिवृत्ति फायदे या अन्य प्रकार के सेवानिवृत्ति फायदे प्राप्त कर रहा है या प्राप्त का चुका है या प्राप्त करने का हकदार हो गया है तो उसके वेतन से उसके द्वारा प्राप्त पेंशन या उपदान के समतुल्य पेंशन या अभिदायी भविष्य निधि में नियोजक के अभिदाय या किसी अन्य प्रकार के सेवानिवृत्ति फायदे, यदि कोई हो की कुल रकम कम कर दी जाएगी, परन्तु इसमें से उसके द्वारा प्राप्त अथवा प्राप्त किए जाने वाले सेवानिवृत्ति उपदान के समतुल्य पेंशन कम नहीं की जाएगी।”

3. उक्त नियमों के नियम 4 के स्थान पर निम्नलिखित नियम 01 जनवरी, 1996 को प्रतिस्थापित किया गया समझा जाएगा, अर्थात् :—

“4. महंगाई-भत्ता—अध्यक्ष, उपाध्यक्ष और सदस्य अपने वेतन के अनुरूप, ऐसी दरों पर महंगाई भत्ते के हकदार होंगे जो 22400-600-26000 रुपये या उसके ऊपर के वेतनमान में वेतन पाने वाले केन्द्रीय सरकार के समूह “क” अधिकारियों को अनुज्ञेय है।”

4. उक्त नियमों के नियम 4क के स्थान पर निम्नलिखित नियम 01 अगस्त, 1997 को प्रतिस्थापित किया गया समझा जाएगा, अर्थात् :—

“4क. नगर प्रतिकारात्मक भत्ता—अध्यक्ष, उपाध्यक्ष, और सदस्य अपने वेतन के अनुरूप ऐसी दरों पर नगर प्रतिकारात्मक भत्ते के हकदार होंगे जो

22,400-600-26,000 रुपये या उसके ऊपर के वेतनमान में वेतन पाने वाले केन्द्रीय सरकार के समूह "क" अधिकारियों को अनुज्ञेय है।"

5. उक्त नियमों के नियम 6 के उप-नियम (3) में, "240" अंकों के स्थान पर "300" अंक 01 जुलाई, 1997 को प्रतिस्थापित किए गए समझे जाएंगे।

6. उक्त नियमों के नियम 11 के स्थान पर निम्नलिखित नियम 0। अक्टूबर, 1997 को प्रतिस्थापित किया हुआ समझा जाएगा, अर्थात् :—

"11. छुट्टी-यात्रा-रियायत-अध्यक्ष, उपाध्यक्ष तथा सदस्य, उन्हीं दरों पर और उन्हीं मापमानों और उन्हीं शर्तों पर जो 22,400-600-26,000 रुपये या उससे ऊपर के वेतनमान में वेतन पाने वाले केन्द्रीय सरकार के समूह "क" अधिकारियों के संबंध में लागू हैं, छुट्टी-यात्रा-रियायत का हक्कदार होगा।"

**स्पष्टीकारक टिप्पण—**केन्द्रीय सरकार के कर्मचारियों के वेतनमान, छुट्टी, छुट्टी-यात्रा-रियायत तथा उन्हें अनुज्ञेय अन्य भत्तों के संबंध में गाँचवें केन्द्रीय वेतन-आयोग की सिफारिशें लागू करने की दृष्टि से केन्द्रीय सरकार ने भिन्न-भिन्न भूतलक्षी प्रभावी तारीखों से निर्णय लिए हैं। केन्द्रीय प्रशासनिक अधिकरण के अध्यक्ष, उपाध्यक्ष तथा सदस्यों को अनुज्ञेय वेतन और अन्य भत्ते आदि के संबंध में केन्द्रीय सरकार ने उन्हीं दरों पर और उन्हीं मापमानों और उन्हीं शर्तों पर वेतन और भत्ते का पुनरीक्षण अनुज्ञात करने का विनिश्चय किया है जो केन्द्रीय सरकार के कर्मचारियों के संबंध में अनुज्ञेय हैं। अतः नियमों में संशोधन भूतलक्षी प्रभाव से किया जाना अपेक्षित है। उपर्युक्त नियमों में किए गए प्रावधान भूतलक्षी प्रभाव से लागू किए जाने से अध्यक्ष, उपाध्यक्ष या किसी भी सदस्य का प्रतिकूल रूप से प्रभावित होना संभावित नहीं है।

[क-11013/29/97-प्र.अ०]

आर० के० टण्डन, संयुक्त सचिव

**पाद टिप्पणी—**मूल नियम अधिसूचना सं. सा.का.नि. 644 (अ), तारीख, 10 अगस्त, 1985 द्वारा प्रकाशित किए गए थे और बाद में उनमें निम्नलिखित अधिसूचनाओं द्वारा संशोधन किए गए—

- (1) सा.का.नि. 583(अ.), दिनांक 18-6-1987
- (2) सा.का.नि. 9(अ.), दिनांक 6-1-1988
- (3) सा.का.नि. 79(अ.), दिनांक 4-2-1988
- (4) सा.का.नि. 324(अ.), दिनांक 3-3-1988
- (5) सा.का.नि. 120(अ.), दिनांक 22-2-1989
- (6) सा.का.नि. 417(अ.), दिनांक 31-3-1989
- (7) सा.का.नि. 72(अ.), दिनांक 30-1-1992
- (8) सा.का.नि. 41(अ.), दिनांक 1-2-1993
- (9) सा.का.नि. 39(अ.), दिनांक 20-1-1995

## MINISTRY OF PERSONNEL, PUBLIC GRIEVANCES AND PENSIONS

(Department of Personnel and Training)

### NOTIFICATION

New Delhi, the 29th January, 1998

**G.S.R. 61 (E).—**In exercise of the powers conferred by clause (c) of sub-section (2) of section 35 and section 36A of the Administrative Tribunals Act, 1985 (13 of 1985), the Central Government hereby makes the following rules further to amend the Central Administrative Tribunals (Salaries and Allowances and Conditions of Service of Chairman, Vice-Chairman and Members) Rules, 1985, namely :—

1. These rules may be called the Central Administrative Tribunals (Salaries and Allowances and Conditions of Service of Chairman, Vice-Chairman and Members) Amendment Rules, 1998.

2. In the Central Administrative Tribunals (Salaries and Allowances and Conditions of Service of Chairman, Vice-Chairman and Members) Rules, 1985 (hereinafter referred to as the said rules), for rule 3, the following rule shall be deemed to have been substituted on the 1st day of January, 1996, namely :—

"3. Pay.—The Chairman shall be entitled to a pay of rupees thirty thousand per mensem, a Vice-Chairman shall be entitled to a pay of rupees twenty six thousand per mensem and a Member shall be entitled to a pay in the scale of Rs. 22,400-600-26000 per mensem:

Provided that in the case of appointment as a Chairman, a Vice-Chairman or a Member of a person who has retired as a judge of High Court or who has retired from service under the Central Government or a State Government and who is in receipt of or has received or has become entitled to receive any retirement benefits by way of pension or gratuity or employer's

contribution to the Contributory Provident Fund or other forms of retirement benefits, the pay shall be reduced by the gross amount of pension or pension equivalent to gratuity of employer's contribution to the Contributory Fund or any other form of retirement benefits, if any, but excluding pension equivalent to retirement gratuity, drawn or to be drawn by him."

3. For rule 4 of the said rules, the following rule shall be deemed to have been substituted on the 1st day of January, 1996, namely :—

"4. Dearness Allowances.—The Chairman, a Vice-Chairman and a Member shall be entitled to dearness allowance appropriate to their pay at the rates admissible to Group 'A' officers of the Central Government drawing a pay in the scale of Rs. 22,400-600-26,000 or above."

4. For rule 4A of the said rules, the following rule shall be deemed to have been substituted on the 1st day of August, 1997, namely :—

"4A. City Compensatory Allowance.—The Chairman, a Vice-Chairman and a Member shall be entitled to City Compensatory Allowance appropriate to their pay at the rates admissible to Group 'A' officers of the Central Government drawing a pay in the scale of Rs. 22,400-600-26,000 or above,"

5. In sub-rule (3) of rule 6 of the said rules, for the figures "240", the figures "300" shall be deemed to have been substituted on the 1st day of July, 1997.

6. For rule 11 of the said rules, the following rule shall be deemed to have been substituted on the 1st day of October, 1997, namely :—

"11. Leave Travel Concession.—The Chairman, a Vice-Chairman and a Member shall be entitled to leave travel concession at the same rates and at the same scales and on the same conditions as are admissible to a Group 'A' officer of the Central Government drawing a pay in the scale of Rs. 22,400-600-26,000 or above."

**Explanatory note.**—With a view to implement the recommendations of the Fifth Pay Commission regarding Central Government employees scale of pay, leave, leave travelling concession and other allowances admissible to them, the Central Government took decisions for different retrospective effective dates. In respect of pay and other allowances etc. admissible to the Chairman, Vice-Chairman and Members of the Central Administrative Tribunal, Central Government decided to allow the revision of pay and allowances at the same rates, at the same scales and on the same conditions as are admissible to the Central Government employees. Therefore, the amendments in the rules are to be given a retrospective effect. By giving this retrospective effect to the provisions of the rules, no Chairman, Vice-Chairman or a Member is likely to be affected adversely.

[A-11013/29/97-AT]

R. K. TANDON, Jt. Secy.

**FOOT NOTE.**—The principal rules were published vide notification No. G.S.R. 644(E), dated the 10th August, 1985 and subsequently amended vide notification No. :—

- (1) GSR 583(E), dated the 18th June, 1987.
- (2) GSR 9(E), dated the 6th January, 1988.
- (3) GSR 79(E), dated the 4th February, 1988.
- (4) GSR 324(E), dated the 3rd March, 1988.
- (5) GSR 120(E), dated the 22nd February, 1989.
- (6) GSR 417(E), dated the 31st March, 1989.
- (7) GSR 72(E), dated the 30th January, 1992.
- (8) GSR 41(E), dated the 1st February, 1993.
- (9) GSR 39(E), dated the 20th January, 1995.

